हिंदी

Class-5

रंगोली कठिन शब्द

Date __/__/____

कठिन शब्द

पाठ - 12
रथ यात्रा

1. त्रिमूर्ति
2. विचलित
3. सज्जित
4. विशालकाय
5. श्रद्धालु
6. प्रत्यक्ष
7. निरंतर
8. भव्य
9. जिज्ञासु
10. प्रस्थान
11. छत्र
12. दुर्भाग्य
13. गंतव्य
14. वितरण
15. प्रतीक्षा

पाठ - 14
हड़ताल

1. मुखौटा
2. कतार
3. अनावश्यक
4. शीघ्र
5. दुरुपयोग
6. वाहन
7. राहत
8. कद्र
9. अपव्यय
10. उपलब्धियाँ
11. अंकुश
12. प्राकृतिक संसाधन

Date __/__/____

पाठ - 15
घमंडी का सिर नीचा

1. समीप
2. आज्ञाकारी
3. मज़बूत
4. लचीला
5. क्रोधित
6. धराशायी

पाठ - 17
हारिए न हिम्मत

1. परिणाम
2. सुस्ताना
3. नियमित
4. अनुरोध
5. उमंग
6. गर्व
7. नसीहत

* हिन्दी आधार सुलेख पृष्ठ संख्या 46 से 48

अपठित गद्यांश

3. यह कलयुग है। इसमें सभी काम कल (मशीन) द्वारा किए जाते हैं। कल का चमत्कार सुबह से शाम तक दिखाई देता है। प्रातः उठकर मनुष्य बिजली के दंतब्रश से दाँत साफ़ करता है। बिजली के शेवर से अपनी दाढ़ी खुद बनाता है। गीज़र के गरम पानी से नहाता है। इस तरह सुबह से शाम तक कल अपना करिश्मा दिखाता है। गैस चूल्हा और कुकर खाना बना देते हैं, वहीं काँटा और चम्मच उसे मुँह में डाल देते हैं। मोटर, स्कूटर, रेल आदि कार्यालय पहुँचा देते हैं। घर बिजली के लट्टुओं से जगमगा जाता है और ठंडक शीत-कल और पंखों से मिल जाती है। इन सभी कलों को चलाने वाला एक बटन होता है। इसलिए तो कहा गया है–'बटन देवाय नमः'।

(क) वर्तमान युग को 'कलयुग' क्यों कहा गया है?

क्योंकि वर्तमान युग में सभी काम कल यानी मशीनों के द्वारा किए जाते है।

(ख) 'कल' घर में क्या चमत्कार दिखाता है?

कल घर में सुबह से शाम तक अपना चमत्कार दिखाता है।

(ग) सभी 'कलों' को चलाने वाला कौन है?

सभी कलों को चलाने वाला एक बटन है।

(घ) सुबह उठकर मनुष्य किन 'कलों' का प्रयोग करता है?

सुबह उठकर मनुष्य बिजली के दंतब्रश, बिजली के शेवर, गीज़र आदि का प्रयोग करता है।

(ङ) 'बिजली' और 'कार्यालय' शब्दों के पर्यायवाची लिखिए।

चपला और दफ़्तर

धन्यवाद